

अध्याय - 9 | जैव प्रौद्योगिकी सिद्धान्त एवं प्रक्रम

QUIZ PART-05

1. बायोरिएक्टर का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?

- A. सूक्ष्मजीवों को समाप्त करना
- B. जैव पदार्थों को औद्योगिक उत्पादों में परिवर्तित करना
- C. केवल तापमान नियंत्रण करना
- D. कोशिकाओं को संग्रहित करना (B)

व्याख्या: बायोरिएक्टर का प्रयोग सूक्ष्मजीवों, पौधों या जन्तु कोशिकाओं की सहायता से जैव पदार्थों को विशिष्ट औद्योगिक उत्पादों में परिवर्तित करने हेतु किया जाता है।

2. बायोरिएक्टर में कोशिकाओं को सक्रिय रखने के लिए क्या आवश्यक है?

- A. अधिक मात्रा में ग्लूकोज
- B. उपयुक्त तापमान, pH और ऑक्सीजन
- C. अम्लीय माध्यम
- D. उच्च दाब (B)

व्याख्या: बायोरिएक्टर में कोशिकाओं की वृद्धि के लिए तापमान, pH, पोषक तत्व और ऑक्सीजन की उपयुक्त मात्रा बनाए रखना आवश्यक होता है।

3. जैव उत्पादों के पृथक्करण और शोधन की सामूहिक प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?

- A. अपप्रवाह संसाधन
- B. अनुप्रवाह संसाधन
- C. जैव संश्लेषण
- D. रासायनिक निष्कर्षण (B)

व्याख्या: जैव उत्पादों के पृथक्करण और शोधन की सामूहिक प्रक्रिया को "अनुप्रवाह संसाधन" (Downstream Processing) कहा जाता है।

4. रूपान्तरित कोशिकाओं के चयन के लिए क्या प्रयोग किया जाता है?

- A. चयन योग्य चिह्नक
- B. उत्परिवर्तन जीन
- C. क्रोमोसोमल मार्कर
- D. रासायनिक संकेतक (A)

व्याख्या: चयन योग्य चिह्नक (Selectable Marker) का प्रयोग रूपान्तरित कोशिकाओं की पहचान और चयन के लिए किया जाता है।

5. बायोरिएक्टर में ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति के लिए क्या उपयोग किया जाता है?

- A. वाष्पन ट्यूब
- B. हवा के बुलबुले
- C. धातु पाइप
- D. ठंडी गैस (B)

व्याख्या: बायोरिएक्टर में जीवाणु रहित हवा के बुलबुले प्रविष्ट करवाकर ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति की जाती है।

6. स्टीरड टैंक बायोरिएक्टर का आकार सामान्यतः कैसा होता है?

- A. बेलनाकार
- B. शंक्वाकार
- C. घनाकार
- D. सपाट (A)

व्याख्या: स्टीरड टैंक बायोरिएक्टर सामान्यतः बेलनाकार होता है और इसका आधार घुमावदार होता है, जिससे मिश्रण में सहायता मिलती है।

7. बायोरिएक्टर के कौन से प्रमुख घटक होते हैं?

- A. केवल ऑक्सीजन प्रदायक
- B. केवल ताप नियंत्रक
- C. प्रक्षोभक तंत्र, ऑक्सीजन तंत्र, pH नियंत्रक आदि
- D. केवल प्रवाह नली (C)

व्याख्या: बायोरिएक्टर में प्रक्षोभक तंत्र, ताप नियंत्रक, pH नियंत्रक, झाग नियंत्रण तंत्र तथा ऑक्सीजन प्रदायक तंत्र होते हैं।

8. बायोरिएक्टर में कोशिकाएँ किस अवस्था में अधिक सक्रिय रहती हैं?

- A. स्थिर अवस्था में
- B. घातांकीय वृद्धि
- C. प्रारंभिक अवस्था में
- D. क्षीण अवस्था में (B)

व्याख्या: कोशिकाएँ ताजे माध्यम में अपने घातांकीय वृद्धि काल (Exponential Phase) में सर्वाधिक सक्रिय रहती हैं।

9. बायोरिएक्टर का उपयोग किसलिए किया जाता है?

- A. कोशिका विभाजन रोकने के लिए
- B. सूक्ष्मजीवों को नष्ट करने के लिए
- C. वांछित प्रोटीन के उत्पादन के लिए
- D. पानी को शुद्ध करने के लिए (C)

व्याख्या: बायोरिएक्टर का उपयोग वांछित प्रोटीन या जैव उत्पाद के बड़े पैमाने पर उत्पादन हेतु किया जाता है।

10. औषधीय उत्पादों को बाजार में भेजने से पहले कौन-सी प्रक्रिया आवश्यक है?

- A. ठंडा भंडारण
- B. गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण
- C. तापीय स्थिरीकरण
- D. निर्जलीकरण (B)

व्याख्या: औषधीय उत्पादों को बाजार में भेजने से पहले गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण एवं चिकित्सीय परीक्षण आवश्यक होते हैं ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।